हर गुरु की इच्छा होती है कि उसका शिष्य एक दिन उसका नाम रोशन करेगा. अपने कार्यों सेसी मानव समाज की सेवा करेगा. गुरु को असली खुशी तब मिलती है जब उसका पढ़ाया हुआ शिष्य आगे चलकर एक अच्छा इंसान बने. वह इंसान जब हजारों लोगों के सामने ऊंचे पद पर होने के बावजूद अपने गुरु को नही भूलता और उनका पैर छूता है तो गुरु को जो खुशी मिलती हैं उसको शब्दों में बयां कर पाना बड़ा ही मुश्किल है. एक ऐसा ही नजारा आज विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा 32 वीं वाहिनी पीएसी ग्राउंड में आयोजित 31वें राष्ट्रीय खेलकूद समारोह में देखने को मिला जब मुख्य अतिथि के रुप में आए केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने गुरु राम अचल सिंह के पैर को छुए तो वहां मौजूद हजारों लोग इस क्षण को देखकर भाव विह्वल हो गए. शिष्य के द्वारा यह सम्मान पाकर गुरु राम अचल सिंह का सीना गर्व से चौड़ा हो गया.

आपको बता दें कि विद्या भारती द्वारा 35 वीं वाहिनी पीएसी ग्राउंड में आयोजित 31 वें राष्ट्रीय खेलकूद समारोह का शुक्रवार को समापन हो गया. केंद्रीय गृहमंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. पीडीआई न्यूज एजेंसी से मिली खबर के अनुसार, गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाले पूर्वी यूपी को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया. अगली प्रतियोगिता राजस्थान क्षेत्र में आयोजित की जाएगी .

इस मौके पर बोलते हुए गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब मेरी आयु 14 -15 साल की थी तभी से मै विद्या भारती से परिचित था. विद्या भारती देश ही नहीं विश्व की सबसे बड़ी शिक्षा संस्थान है. उन्होने कहा कि ज्ञान के साथ ही संस्कार देने का काम विद्या भारती के शिक्षण संस्थान कर रहे हैं. शिक्षा के साथ अगर संस्कार न हो तो वह ज्ञान विनाशकारी होता है.

यूपी पत्रिका से मिली खबर के अनुसार, मुख्य अतिथि ने कहा कि दुनिया को भारत ने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है. भारत के पास जो ज्ञान और विज्ञान है. वह किसी दूसरे देश के पास नहीं है. उन्होने कहा कि भारत ने दुनिया को सटीक सूर्य ग्रहण और चंद्र ग्रहण का सटीक समय बताया. व्यक्ति के विकास में खेलकूद की महत्पूर्ण भूमिका है.